



\* ओडिशा संस्करण



# आजाद सिंहाही



रांची 14 फरवरी, 2024, बुधवार, वर्ष 09, अंक 115, माघ, शुक्र पक्ष, पंचमी, संवत् 2080, पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

**FLORENCE**  
(A Unit of Haji Abdur Razzaque Educational Society)

Irba, Ranchi-835219, Jharkhand



Admission OPEN 2024-25

PLACEMENT Assistance Scholarship Facility Available

PHARMACY D-PHARM

NURSING ANN BMM POST-BASIC B.Sc. BASIC B.Sc. M.Sc. ASST. OF ASSISTANT

PARAMEDICAL DRESSERS / DMFT / ECG X-RAY / OPHTHALMIC BASIC B.Sc. M.Sc.

Separate Hostel For Boys & Girls

M.: 9031231002, 9033994911, 8205145470

E-mail : fsmirba@gmail.com

Website : www.florenceinstirba.com



# खूंटी लोकसभा सीट: जातीय समीकरण और मुद्दों के बीच उलझ रहे राजनीतिक दल

## जय श्रीराम, जय सरना, जय पथलगड़ी में विभक्त हैं मतदाता

- सरना धर्मकोड और 1932 का खतियान भी गूंज रहा है कुछ क्षेत्रों में
- फिलहाल भाजपा और कांग्रेस दोनों से दूरी बना रखी है कुरमी मतदाताओं ने

कहा जाता है कि विक्रास, मौजूदा सरकार के कामकाज, विपक्ष द्वारा उठाये जा रहे मुद्दे और भवित्व के बायाए पर चुनाव परिणाम टिक घृते हैं। मतदाता इन्हीं सब बातों को देखते हुए वोट देते और जनप्रतिनिधि चुनते हैं। देश के अन्य हिस्सों में भले ही ऐसा होता है, लेकिन बिहार और उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में कम से कम ये बातें चीज़े पायदृढ़ पर हैं। यहाँ चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण जातीय समीकरण है। इसके बाद मुद्दा आता है। खूंटी झारखण्ड का विभाग वर्ष 2000 में बिहार से कट कर हुआ है, इसलिए यह राज्य भी अब तक चुनाव में जातीय समीकरण से उत्तरा नहीं। यहाँ भी उम्मीदवारों का चयन मतदाताओं

की जातिगत स्थिति को आंक कर ही किया जाता है। मतदाता भी इसी जातीय समीकरण के इर्द-गिर्द रहते हुए वोट दालते हैं। लोकसभा 2024 के चुनाव की सुगृहाट शरू हो चुकी है। अगले एक महीने के भीतर चुनाव की घाषाणा होने को संभवाना है। इसलिए राजनीतिक दल अब लोकसभा सीटों का आकलन करने में जुट गये हैं। जातीय समीकरण को देखा

जा रहा है। अपने-अपने दलों के वर्तमान चेता (पिछले चुनाव के उम्मीदवार) का लेखा-जोखा देखा जा रहा। आगमी चुनाव में उम्मीदवारी के नये दावेदारों को परखा जा रहा है। क्षेत्र की जनता का नब्ज टोलोले का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में झारखण्ड के खूंटी जिले का राजनीतिक दल आकलन कर रहे हैं। इस आदिवासी बहुल क्षेत्र में

कोई भारी भाजपा हो या कांग्रेस या फिर झासमो अपनी जीत के प्रति फिलहाल तो परी तरह आश्वस्त नहीं है। जिले के ज्यादातर क्षेत्र में मतदाताओं के बीच जातीय समीकरण के साथ अलग-अलग मुद्दे तैर रहे हैं। क्षेत्र के मतदाता तीन भागों में बड़े हुए दिख रहे हैं। उनके बीच साम मंदिर से लेकर सरना पर्व कोड और पथलगड़ी जैसे मुद्दे हैं। कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहाँ के मतदाता फिलहाल मौन धारण किये हुए हैं। लिहाजा राजनीतिक दलों के लिए यह क्षेत्र एक चुनौती राज्य गया है। खूंटी लोकसभा क्षेत्र का आकलन करती हमारे राजनीतिक संपादक प्रशंसा द्वारा की रिपोर्ट।

### आजाद सिपाही विशेष



प्रशांत झा

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने तीन साल पहले अपनी रिपोर्ट में बताया था कि झारखण्ड में ओबीसी वर्ग की आबादी कीरीब 55 फीसदी है। समय-समय पर ओबीसी वर्ग से जुड़े अलग-अलग संगठनों द्वारा भी यह दावा किया गया कि झारखण्ड में 55 फीसदी के साथ ओबीसी वर्ग की आबादी सबसे ज्यादा है। वहीं, राज्य पहले दिलत आबादी 16.33 फीसदी के बाद आबादी 5.9.87 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लाख 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

#### आदिवासी और ईसाई, क्षेत्र में सबसे अधिक

खूंटी जिला का जातीय समीकरण द्वारा जिलों से अलग है। लोकसभा सीट असरित है, तो इसके सभी छह विधानसभा सीटें भी आरक्षण के दावे में ही हैं। यानी इन्हाँ तय है कि इस क्षेत्र में सर्वण और मुसलिम की जनसंख्या बहुत ही कम है। खूंटी जिले में लगभग 90 फीसदी आबादी ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। लोकसभा क्षेत्र के अनुसार लाखी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।



#### तीन मुद्दों के बीच घूम रहे मतदाता हैं

खूंटी पांच जिलों रांची, प. सिंहभूम, सरावन-खरसावा, गुमला और सिमडेगा से धिरा है। रांची से चलते हैं, तो जिले की प्रमुख निवासी मुंडा या गोंड हैं। वहाँ जनजातियों का प्रभुत्व है। वहाँ की आबादी लगभग 16.33 फीसदी के साथ आबादी 5.9.87 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसी तरह गुमला से तोरपा, तो प.सिंहभूम से मुरहू खरखण्ड पहले मिलते हैं। वहाँ जनजातियाँ हैं। वहाँ जनजातीय आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसके बाद इसाई जाति के 26.84 फीसदी लगभग 4.04 फीसदी, बौद्ध 0.07 फीसदी, मुसलमान 5.01 फीसदी और सिख 0.06 फीसदी हैं।

उन्होंने चुप्पी साथ रखी है कि जिले के साथ-साथ लोकसभा सीट एसटी के लिए आरक्षण है। इसलिए खूंटी की आबादी गांव में बसती है, इसलिए यहाँ जीवन रहते हैं। खूंटी में मतदाताओं के बीच तीन तरह के विभाग हैं, जो जनजातियों के बीच तीन तरह के विभाग हैं, जो जनजातियों के बीच तीन तरह के विभाग हैं। यहाँ जनजातियों का प्रभुत्व है। वहाँ की आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

खूंटी की बात की जाये, तो यह जिला रांची से विभाजित है। जिले के अधीन छह विधानसभा सीटें भी आरक्षण के दावे में ही हैं। यानी इन्हाँ तय है कि इस क्षेत्र में सर्वण और मुसलिम की जनसंख्या बहुत ही कम है। खूंटी जिले में लगभग 90 फीसदी आबादी ग्रामीण क्षेत्र की ओर रहती है। लोकसभा क्षेत्र के अनुसार लाखी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसी तरह गुमला से तोरपा, तो प.सिंहभूम से मुरहू खरखण्ड पहले मिलते हैं। वहाँ जनजातियाँ हैं। वहाँ जनजातीय आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसी तरह गुमला से तोरपा, तो प.सिंहभूम से मुरहू खरखण्ड पहले मिलते हैं। वहाँ जनजातियाँ हैं। वहाँ जनजातीय आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसी तरह गुमला से तोरपा, तो प.सिंहभूम से मुरहू खरखण्ड पहले मिलते हैं। वहाँ जनजातियाँ हैं। वहाँ जनजातीय आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसी तरह गुमला से तोरपा, तो प.सिंहभूम से मुरहू खरखण्ड पहले मिलते हैं। वहाँ जनजातियाँ हैं। वहाँ जनजातीय आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसी तरह गुमला से तोरपा, तो प.सिंहभूम से मुरहू खरखण्ड पहले मिलते हैं। वहाँ जनजातियाँ हैं। वहाँ जनजातीय आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसी तरह गुमला से तोरपा, तो प.सिंहभूम से मुरहू खरखण्ड पहले मिलते हैं। वहाँ जनजातियाँ हैं। वहाँ जनजातीय आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसी तरह गुमला से तोरपा, तो प.सिंहभूम से मुरहू खरखण्ड पहले मिलते हैं। वहाँ जनजातियाँ हैं। वहाँ जनजातीय आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसी तरह गुमला से तोरपा, तो प.सिंहभूम से मुरहू खरखण्ड पहले मिलते हैं। वहाँ जनजातियाँ हैं। वहाँ जनजातीय आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसी तरह गुमला से तोरपा, तो प.सिंहभूम से मुरहू खरखण्ड पहले मिलते हैं। वहाँ जनजातियाँ हैं। वहाँ जनजातीय आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता 11 लाख से अधिक है।

इसी तरह गुमला से तोरपा, तो प.सिंहभूम से मुरहू खरखण्ड पहले मिलते हैं। वहाँ जनजातियाँ हैं। वहाँ जनजातीय आबादी लगभग 16.33 फीसदी है, तो 28 फीसदी आदिवासी रहते हैं। यहाँ जनजातीय आबादी लगभग 17 लाख के करीब है और मतदाता

# चैप स्कॉर्यर के छात्र-छात्राओं का जेइ मेन में शानदार प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता



रात्री। मंगलवार को जेइ मेन परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ। रात्री शहर के विद्यार्थियों का इस प्रतियोगिता परीक्षा में शानदार प्रदर्शन रहा। शहर के चैप स्कॉर्यर के छात्र-छात्राओं ने इस परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता अर्जित की। इस संस्थान का अस्तित्व 2015 में आया और प्रथम वर्ष से ही वहाँ के विद्यार्थी जेइ मेन और एडवर्ड में बेहतरीन प्रदर्शन रहा है। यह संस्थान सामान्य क्षमता वाले छात्र-छात्राओं को भी उच्चस्तरीय ज्ञान एवं उच्च मानक समर्थन के बल पर, उनके अंदर रिजल्ट और एडवर्ड में बेहतरीन प्रदर्शन रहा है। चैप स्कॉर्यर का ज्ञानखंड में सर्वश्रेष्ठ चयन अनुभूत रहा। इसके साथ प्रियंग प्राजिल 99.88 परसेटाइल लाकर टॉप, आयुषि 99.80 परसेटाइल लाकर टॉपारा एवं अभिराज चौहान 99.01 परसेटाइल लाकर पासअट टॉपर ने संस्थान और शहर का मान बढ़ाया। कुल 396 से यह प्रतिशत का अधिक छात्र-छात्राओं ने इस परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया।

इन शिष्यों ने अपने गुजरातों एवं चैप स्कॉर्यर में कार्यरत सभी शिक्षकों के बच्चों के कर्मचारियों के प्रति

99 परसेटाइल से ऊपर लाने वालों में प्रियंग प्राजिल, आयुषि, निश्वल कुमार, अश्वय आनंद, अभिराज चौहान एवं रोहित राज हैं। चैप स्कॉर्यर में छात्रों की व्यक्तिगत समस्या निगरारण के लिए नियमित रूप में सुबह 10:00 से रात के 8:30 तक भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र एवं गणित के शिक्षक उपलब्ध रहते हैं जिनसे किसी भी वर्ष के छात्र अपनी सुविद्यानुसार अपनी समस्या का निगरान करा सकते हैं।

छात्रों के द्वारा सेसमूह ने एक स्वर में अपनी सफलता का श्रेय चैप स्कॉर्यर के अनुशासित शैक्षणिक परिवेश और शिक्षकों के छात्रों के सतत परिश्रम के छात्रों का प्रति समर्पण की दिया। उन्होंने किसी भी वर्ष के छात्रों के द्वारा नहीं देखे जाने वाली अपरिवर्तनीय विद्यार्थी का प्रतिशत 95 या उससे अधिक है। उनके विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता का प्रतिशत 95 रहा है।

इन शिष्यों ने अपने गुजरातों एवं चैप स्कॉर्यर में कार्यरत सभी शिक्षकों के बच्चों के कर्मचारियों के प्रति

उच्चस्तरीय पाठ्यसामग्री, विजय और इनका विशेषणात्मक मूल्यांकन संस्थान का उद्देश्य के प्रति समर्पण बहुत उच्च कोटि का है। सिलेबस की समाप्ति के बाद चैप स्कॉर्यर के द्वारा संचालित टेस्ट सोरिंग ने हमारे डर को पूरी तरह समाप्त कर दिया और अडाइटी की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने में मददगार रहा है।

संस्थान के निदेशक ने कहा कि एक बार फिर छात्रों की सफलता ने चैप स्कॉर्यर का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आडाइटी एडवर्ड विंग्स परीक्षा में भी इन छात्रों से विशिष्ट प्रदर्शन अपेक्षित है, क्योंकि वर्षों ने पूरे वर्ष जी तोड़ मेहनत के द्वारा संचालित टेस्ट सोरिंग ने इन छात्रों के द्वारा नहीं देखे जाते हैं। सफलता परीक्षा के लिए छात्रों की निखारा है। सफलता परीक्षा के लिए छात्रों की निखारा है। निदेशकों ने छात्रों की सफलता पर बधाई देते हुए आगामी परीक्षाओं के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। सफल छात्रों के अधिभावकों ने भी चैप स्कॉर्यर के शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि शिक्षकों के सतत परिश्रम ने इन बच्चों का प्रति समर्पण की दिया। उन्होंने उजां से भरे मार्ग की दिशा दिखायी और बच्चों के सघन अध्ययन का परिणाम अशा जनक है।

छात्रों के द्वारा सेसमूह ने एक स्वर में अपनी सफलता का श्रेय चैप स्कॉर्यर के अनुशासित शैक्षणिक परिवेश और शिक्षकों के छात्रों के प्रति समर्पण की दिया। उन्होंने किसी भी वर्ष के छात्रों के द्वारा नहीं देखे जाने वाली अपरिवर्तनीय विद्यार्थी का प्रतिशत 95 या उससे अधिक है। उनके विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता का प्रतिशत 95 रहा है।

इन शिष्यों ने अपने गुजरातों एवं चैप स्कॉर्यर में कार्यरत सभी शिक्षकों के बच्चों के कर्मचारियों के प्रति

# न्यूटन ट्यूटोरियल्स का जेइ मेन में फिर से शानदार प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

रात्री। इस वर्ष जेइ मेन सेशन-1 जनवरी 2024 की परीक्षा में हरिअम टावर, सरकुल रोड, रात्री स्थित न्यूटन ट्यूटोरियल प्रालिंग के छात्रों को गौरव दिया गया है। उनका कहना है कि चैप स्कॉर्यर के छात्रों को उच्च संस्थान के लिए उच्च संस्थान के लिए नियमित रूप से रात 10:00 से रात के 8:30 तक भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र एवं गणित के शिक्षक उपलब्ध रहते हैं। उनका कहना है कि चैप स्कॉर्यर के छात्रों को उच्च संस्थान के लिए उच्च संस्थान के लिए नियमित रूप से रात 10:00 से रात के 8:30 तक भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र एवं गणित के शिक्षक उपलब्ध रहते हैं। उनका कहना है कि चैप स्कॉर्यर के छात्रों को उच्च संस्थान के लिए उच्च संस्थान के लिए नियमित रूप से रात 10:00 से रात के 8:30 तक भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र एवं गणित के शिक्षक उपलब्ध रहते हैं।

संस्थान के निदेशक ने कहा कि एक बार फिर छात्रों की सफलता ने चैप स्कॉर्यर का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आडाइटी एडवर्ड विंग्स परीक्षा में भी इन छात्रों से विशिष्ट प्रदर्शन अपेक्षित है, क्योंकि वर्षों ने पूरे वर्ष जी तोड़ मेहनत के द्वारा संचालित टेस्ट सोरिंग ने इन छात्रों के द्वारा नहीं देखे जाते हैं। यहाँ के छात्रों की निखारा है। उनका कहना है कि चैप स्कॉर्यर के छात्रों को उच्च संस्थान के लिए उच्च संस्थान के लिए नियमित रूप से रात 10:00 से रात के 8:30 तक भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र एवं गणित के शिक्षक उपलब्ध रहते हैं।



रोशन कुमार साह 95.53, किसलय तेजस्वी 95.53, कृष्ण परसेटाइल 95.53, अंजलि 95.12, प्रिया शर्मा 94.86, रितिक कुमार 94.71, हेमेंद्र कुमार 93.62, अनीश राज 93.80, अर्पण कुमार 93.66, रायुष कुमार 93.77, नेहरू शर्मा 93.34, पंकज कुमार 93.06, शुभम कुमार 92.79, शुभम सिंह 96.43 दिव्यांशु कुमार 93.06, शुभम कुमार 92.79, ऋषभ कुमार 92.27, आर्यन राज 92.27, 92.27 को जेइ मेन सेशन-1 जनवरी 2024 में बेस्ट परसेटाइल मिला है। निदेशक इमरान अली से इन्हें सार्वानुषंगीकरण के लिए एक अतिरिक्त शिक्षकों का दल सुवह 10.00 बजे से संध्या 7.00 बजे तक रहता है। प्रणव सर, पंकज सर और यहाँ के सभी छात्रों के बीच बहुत ही मिलनसार सबंध भविष्य की कामना की है।

# द पाठशाला के संतोष रवानी ने संस्थान का मान बढ़ाया

आजाद सिपाही संवाददाता



रात्री। जेइ मेन 2024 जनवरी सत्र के जारी परिणाम में द पाठशाला के बच्चों का प्रश्नान्वयन शानदार रहा है। संतोष रवानी ने 99.71 परसेटाइल प्राप्त कर संस्थान के टॉप बने हैं। पियूष 99.13 परसेटाइल प्राप्त कर संस्थान का मान बढ़ाया है। धैर्य पांडे 98.57, निशा लक्ष्मी 98.15, रौनक 97.28, हर्ष वर्धन ने 97.28 प्राप्त कर संस्थान को गौरवान्वित किया है। आदीतीरी 96.8, हर्षिंत 96.13, अभिनव 95.53, सारथक 95.31, प्रिया

96.37, हर्ष, उर्कप, राजीव, ईशु, प्रखर, अभिनव प्रकाश, निलेश जेइ मेन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान के टॉप बने हैं। पियूष 96.8 ने भौतिकी विषय में 99.53 प्राप्त की है, हर्षिंत 96.13 भौतिकी विषय में 99.13 द पाठशाला के श्री धैर्य पांडे 98.57 को द्वारा प्राप्त करता रहा है। सभी सफल छात्रों ने द पाठशाला के सभी शिक्षकों के कुशलतामार्गदर्शन को और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आशीर्वाद देते हुए।

द पाठशाला के अपने सफलता का श्रेय चैप स्कॉर्यर के अनुशासित शैक्षणिक परिवेश और शिक्षकों के छात्रों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि शिक्षकों के सतत परिश्रम ने इन बच्चों का प्रति समर्पण की दिया। उन्होंने किसी भी वर्ष के छात्रों के द्वारा नहीं देखे जाने वाली अपरिवर्तनीय विद्यार्थी का प्रतिशत 95 या उससे अधिक है। उनके विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता का प्रतिशत 95 रहा है।



विद्यार्थीयों को आशीर्वाद देते हुए उनके उत्कृष्ट भविष्य की शुभकामनाएं दी गई हैं। साथ ही होने वाली सीधीएसई परीक्षा एवं जेइ (एडवर्ड) 2024 में अच्छे प्रदर्शन की कामया की। इस अवसर पर विद्यालय की एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सिमी मेहता, एकेडमिक को-ऑफिसिनेटर रवि शेखर, परीक्षा नियंत्रक एवं श्रीवास्तव राज किशोर शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी सफल विद्यार्थीयों को महत्वपूर्ण बताया।





# संपादकीय

## भारत की बड़ी जीत

**भा**रत के आठ पूर्व नौसेना कर्मियों का कतर की जेल से रिहा होकर सुरक्षित स्वदेश लौटना निश्चित रूप से भारत की एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी है। इन लोगों को पिछले साल कतर की एक अवालत ने मौत की सजा सुनायी थी, जिसके बाद यह मामला सुर्खियों में आया था। यह मामला शुरू से रहस्यमय इस मायने में भी था कि कभी इससे जुड़े तथ्य सामने लाये ही नहीं गये। जब भारत के आठ पूर्व नौसेना कर्मियों को कतर की अवालत द्वारा फार्सी की सजा दिये जाने को खबर आयी, तो सबका ध्यान इस तरफ गया। लेकिन किसी को पक्के तौर पर पता ही नहीं था कि काफ़ी सजा बायों दी गयी। इन पर लगे आरोपों को कभी सार्वजनिक था कि काफ़ी सार्वजनिक था कि उनके खिलाफ़ किस तरफ के सबूत पेश किये गये। ऐसे में भारत सरकार का काम खासा चुनौतीपूर्ण था। जहां देश के अंदर इन पूर्व नौसेना कर्मियों के लिए सहानुभूति थी, वहीं यह समझना भी मुश्किल नहीं था कि कथित आरोपों की गंभीरता

कतर और भारत के बीच बहुत अच्छे रिश्ते हैं और पीएम नरेंद्र मोदी व अमीर शेख तमीम बिंग हमद अल-थानी के बीच पर्सीनल कैरियर्सी भी अच्छी गानी जाती रही है। इसलिए कानूनी उपायों के साथ-साथ इन घैनों की इंटरेंजल करना बेहतर माना गया।

तो वह किस स्तर पर और किन लोगों के जरिए की गई है। स्वाभाविक ही विदेश मंत्रालय ने किसी तरह की बयानबाजी में पड़ोने के बजाय इसे अपारी समझदारी से सुलझाने का फैसला किया। कतर और भारत के बीच बहुत अच्छे रिश्ते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अमीर शेख भी अच्छी मानी जाती रही है। इसलिए कानूनी उपायों के साथ-साथ इन घैनों को पहला बड़ा नीतीजा तहत तरह करना चाही दिया गया। इन बहुतसंख्यक प्रयासों के दौरान हुई देनों नेताओं की मुलाकात के बाद अपौलीय न्यायालय ने इन सबकी फ़ासी को सजा को कम कर दिया। उसी समय से वह उमीद बनें लगी थी कि अब कुछ समय में देनों सरकारों की रजायंदी से इन कैदियों को स्वदेश भेजने की व्यवस्था हो सकती है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि भारत सरकार और खास कर विदेश मंत्रालय ने इस मसले को जितनी धैर्यता और कुशलता से नियायादा, उससे न केवल देश की साख बढ़ी है, बल्कि यह विश्वास भी मजबूत हुआ है कि भारत सरकार दुनिया में कहीं भी मुश्किल में फ़ैसले अपने नागरिकों का साथ नहीं छोड़ती।

### अभियान आजाद सिपाही

पिछले महीने से सप्ताह दर सप्ताह नामित 5 व्यक्तियों पर हमें विदाय करना होगा जिनमें कर्पूरी ठाकुर, लाल कृष्ण अडवानी, चरण सिंह, पीवी नरसिंहराव और एमएस स्थानीय शामिल हैं। यदि उन सभी के सम्मान के लिये योग्य माना जाता, तो उन सभी का नाम 2015 में मोदी सरकार के पहले गणतंत्र दिवस पर हुआ है। निःसंदेह वह पहले प्रधानमंत्री नहीं हैं, जिन्होंने किसी राष्ट्रीय सम्मान का राजनीतिकरण किया है। हालांकि चुनाव से पहले अपनी सामाजिक घोषणाओं से उन्होंने राजनीतिकरण को स्पष्ट कर दिया है। पिछले महीने से सप्ताह दर सप्ताह नामित 5 व्यक्तियों पर हमें विदाय करना होगा जिनमें कर्पूरी ठाकुर, लाल कृष्ण अडवानी, चरण सिंह, पीवी नरसिंहराव और एमएस स्थानीय शामिल हैं। यदि उन सभी को सम्मान के लिये योग्य माना जाता, तो उन सभी का नाम 2015 में मोदी सरकार के पहले गणतंत्र दिवस पर रखा जा सकता था।

### संजय बासु

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 10 साल के कार्यकाल के आखिरी महीनों में जिस तरह से भारत रत्न देने की बात को आगे बढ़ाया है, उससे देश के सर्वोच्च सार्वजनिक सम्मान भारत रत्न का अवगूण्य हुआ है। निःसंदेह वह पहले प्रधानमंत्री नहीं हैं, जिन्होंने किसी राष्ट्रीय सम्मान का राजनीतिकरण किया है। हालांकि चुनाव से पहले अपनी सामाजिक घोषणाओं से उन्होंने राजनीतिकरण को स्पष्ट कर दिया है। पिछले महीने से सप्ताह दर सप्ताह नामित 5 व्यक्तियों पर हमें विदाय करना होगा जिनमें कर्पूरी ठाकुर, लाल कृष्ण अडवानी, चरण सिंह, पीवी नरसिंहराव और एमएस स्थानीय शामिल हैं। यदि उन सभी को सम्मान के लिये योग्य माना जाता, तो उन सभी का नाम 2015 में मोदी सरकार के पहले गणतंत्र दिवस पर रखा जा सकता था।

आखिरकार जिन उपलब्धियों का ब्रेंथ उन्हें दिया जाता है, वे बहुत पुरानी हैं। किसी भी विश्वासी में, सभी 5 नामों की घोषणा नहीं बनी है। जिस तरह किसी के खिलाफ़ किसी तरह होने की जा सकती थी। जिस तरह से इन नामों की घोषणा हो गयी है, उसे देखते हुए और संघर्ष है कि चुनाव पूर्व पाइपलाइन में और भी नाम हो सकते हैं।

पूर्व पाइपलाइन में और भी नाम हो सकते हैं। इन नामों में बीजू पटनायक, एनटी रामाराव,

एचडी देवगोड़ा और जयवलिता शामिल हैं। ये सभी राजनीतिक दलों के नेता जो संभावित सहयोग हैं, को भारत रत्न क्यों नहीं?

नरसिंहराव का नामांकन अभी किया गया है न कि 2021 में उनके जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान। जब तेंगाना राज्य विधायिका ने सर्वसमिति से तेलंगाना के सबसे बड़े राजनीतिक नेता और एक ऐसे प्रधानमंत्री के सम्मान की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया,

जिसने उन्हें आरोपी के खिलाफ़ किया गया है। अन्य नामों में बीजू पटनायक, एनटी रामाराव, एचडी देवगोड़ा और जयवलिता शामिल हैं। ये सभी राजनीतिक दलों के नेता जो संभावित सहयोग हैं, को भारत रत्न क्यों नहीं?

नरसिंहराव का नामांकन अभी किया गया है न कि 2021 में उनके जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान। जब तेंगाना राज्य विधायिका ने सर्वसमिति से तेलंगाना के सबसे बड़े राजनीतिक नेता और एक ऐसे प्रधानमंत्री के सम्मान की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया,

जिसने उन्हें आरोपी के खिलाफ़ किया गया है। अन्य नामों में बीजू पटनायक, एनटी रामाराव,

एचडी देवगोड़ा और जयवलिता शामिल हैं। ये सभी राजनीतिक दलों के नेता जो संभावित सहयोग हैं, को भारत रत्न क्यों नहीं?

नरसिंहराव का नामांकन अभी किया गया है न कि 2021 में उनके जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान। जब तेंगाना राज्य विधायिका ने सर्वसमिति से तेलंगाना के सबसे बड़े राजनीतिक नेता और एक ऐसे प्रधानमंत्री के सम्मान की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया,

जिसने उन्हें आरोपी के खिलाफ़ किया गया है। अन्य नामों में बीजू पटनायक, एनटी रामाराव,

एचडी देवगोड़ा और जयवलिता शामिल हैं। ये सभी राजनीतिक दलों के नेता जो संभावित सहयोग हैं, को भारत रत्न क्यों नहीं?

नरसिंहराव का नामांकन अभी किया गया है न कि 2021 में उनके जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान। जब तेंगाना राज्य विधायिका ने सर्वसमिति से तेलंगाना के सबसे बड़े राजनीतिक नेता और एक ऐसे प्रधानमंत्री के सम्मान की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया,

जिसने उन्हें आरोपी के खिलाफ़ किया गया है। अन्य नामों में बीजू पटनायक, एनटी रामाराव,

एचडी देवगोड़ा और जयवलिता शामिल हैं। ये सभी राजनीतिक दलों के नेता जो संभावित सहयोग हैं, को भारत रत्न क्यों नहीं?

नरसिंहराव का नामांकन अभी किया गया है न कि 2021 में उनके जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान। जब तेंगाना राज्य विधायिका ने सर्वसमिति से तेलंगाना के सबसे बड़े राजनीतिक नेता और एक ऐसे प्रधानमंत्री के सम्मान की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया,

जिसने उन्हें आरोपी के खिलाफ़ किया गया है। अन्य नामों में बीजू पटनायक, एनटी रामाराव,

एचडी देवगोड़ा और जयवलिता शामिल हैं। ये सभी राजनीतिक दलों के नेता जो संभावित सहयोग हैं, को भारत रत्न क्यों नहीं?

नरसिंहराव का नामांकन अभी किया गया है न कि 2021 में उनके जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान। जब तेंगाना राज्य विधायिका ने सर्वसमिति से तेलंगाना के सबसे बड़े राजनीतिक नेता और एक ऐसे प्रधानमंत्री के सम्मान की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया,

जिसने उन्हें आरोपी के खिलाफ़ किया गया है। अन्य नामों में बीजू पटनायक, एनटी रामाराव,

एचडी देवगोड़ा और जयवलिता शामिल हैं। ये सभी राजनीतिक दलों के नेता जो संभावित सहयोग हैं, को भारत रत्न क्यों नहीं?

नरसिंहराव का नामांकन अभी किया गया है न कि 2021 में उनके जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान। जब तेंगाना राज्य विधायिका ने सर्वसमिति से तेलंगाना के सबसे बड़े राजनीतिक नेता और एक ऐसे प्रधानमंत्री के सम्मान की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया,

जिसने उन्हें आरोपी के खिलाफ़ किया गया है। अन्य नामों में बीजू पटनायक, एनटी रामाराव,

एचडी देवगोड़ा और जयवलिता शामिल हैं। ये सभी राजनीतिक दलों के नेता जो संभावित सहयोग हैं, को भारत रत्न क्यों नहीं?

नरसिंहराव का नामांकन अभी किया गया है न कि 2021 में उनके जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान। जब तेंगाना राज्य विधायिका ने सर्वसमिति से तेलंगाना के सबसे बड़े राजनीतिक नेता और एक ऐसे प्रधानमंत्री के सम्मान की मांग करत







# भारत जोड़े न्याय यात्रा में राहुल गांधी नहीं आयेंगे, यात्रा जारी रहेगी : कृष्ण सिंह

न्याय यात्रा और लोकसभा चुनाव को लेकर थाना प्रभारी ने होटल संचालकों के साथ बैठक कर दिये कई निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरासंज/पलामू। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी की भारत जोड़े न्याय यात्रा और आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर हरिहरासंज पुनर्सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने शहरी क्षेत्र के होटल सह रेस्टोरेंट संचालकों के साथ मंगलवार को थाना में बैठक की बैठक में थाना प्रभारी ने होटल संचालकों को कई निर्देश दिया। इस दौरान होटल में सीसीटीवी कैमरा लगाने होटल में ठहरने वालों का आधार कार्ड,



वाहनों की जांच करते पुलिसकर्मी और कांग्रेस नेता कृष्ण कुमार रिंग का फाइल फोटो

मोबाइल नंबर लेने और होटल में संदिग्ध व्यक्तियों के आने पर पुलिस को अविलंब सुचना देने का रेस्टोरेंट संचालकों को ठहरने वाले व्यक्तियों का रजिस्टर में नाम अंकित करने का निर्देश दिया गया है। थाना प्रभारी ने बैठक के बाद शहरी क्षेत्र में संचालित सभी होटल सह रेस्टोरेंट में निर्देश दिया है। थाना प्रभारी ने बैठक के बाद शहरी क्षेत्र में संचालित सभी होटल सह रेस्टोरेंट में निर्देश दिया है। थाना प्रभारी ने बैठक के बाद शहरी क्षेत्र में संचालित सभी होटल सह रेस्टोरेंट में निर्देश दिया है।

की जांच की। वहीं भारत जोड़े न्याय यात्रा और आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर थाना के पास बने अंतर्राजीय चेकनका पर सभी वाहनों कि सख्ती से जांच भी की जा रही है। उधर कांग्रेस पार्टी के झारखंड प्रदेश प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह ने फोन पर बताया कि आगामी 15 फ़रवरी को भारत जोड़े न्याय यात्रा में नेता राहुल गांधी की उपस्थिति की संभावना कम है, पर कार्यक्रम जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि हामे नेता राहुल गांधी की माता सनिया गांधी की अवाचनक स्वास्थ्य खबर होने की सूचना मिल रही है। फिलाल उनकी उपस्थिति की संभावना पर सवाल है।



## एमसीएल में वार्षिक खन सुरक्षा प्रखवाड़ा 2023-24 का समापन समारोह नवीन सुरक्षित खनन प्रथाओं का प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। खन सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के तत्वावधान में महानदी कोलफाई-इस लिमिटेड (एमसीएल) मुख्यालय में आयोजित वार्षिक खन सुरक्षा प्रखवाड़ा 2023-24 के समापन समारोह पर आयोजित एक प्रदर्शनी में नवीन और सुरक्षित खनन प्रथाओं को प्रदर्शित किया गया। खन सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) भुवनेश्वर क्षेत्र। और II के तहत तकनीकी स्टॉटर्टअप, विनिर्माण और खनन संगठनों सहित बड़ी संख्या में संगठनों ने नेशनिंग धनबाद ने उदय ए काओले अवधक-प्रबंध निदेशक (सोएपडी)



2023-24 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार वितरण समारोह के साथ साथ आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रभात कुमार महानिदेशक, डीजीएमएस धनबाद ने उदय ए काओले अवधक-प्रबंध निदेशक (सोएपडी)

एमसीएल की उपस्थिति में किया, जिसमें अधूरूर्व अंतर्दृष्टि, उपकरण प्रदर्शन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण प्रयोग किये गये, जो खनन कार्यों में सुरक्षा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। अपने संबंधन में श्री प्रभात कुमार ने सुरक्षा मानकों

को बढ़ाने में निरंतर प्रयासों के लिए एमसीएल की सराहना की। सोएपडी श्री काओले ने सभी चीजों से ऊपर सुरक्षा को प्राथमिकता देने की कंपनी की अट्टू प्रतिबद्धता दोहराई। सुरक्षा प्रखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को

पुरस्कार वितरण समारोह में समाप्ति किया गया, जो सुरक्षा व्यक्ति फहराने के साथ शुरू हुआ। गणपत्य व्यक्तियों ने उन कौलेल खनिकों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने देश की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान करते हुए कर्तव्य की पंक्ति में अपने जीवन का बलिदान दिया।

## एसीसीआई के तीन दिनी सम्मेलन का हुआ उद्घाटन



आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। एशियन अफीकन चैंबर ऑफ कॉर्मर्स एंड इंडस्ट्री (एसीसीआई) ओडिशा चैटर का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन और एमसीएल भूवनेश्वर के फेयर लैगून बाटिका में शुरू हुआ है। इथियोपिया के राजदूत देमेक आटानाकु अबुलो ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्मेलन में भाग लिया और इसका उद्घाटन किया।

अमर पटनायक समानित अतिथि के रूप में और एमसीएसई के संयुक्त निदेशक पवन कुमार

गुप्ता सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। केन्या बोर्ड के अध्यक्ष जेम्स मुरु सम्मानित अतिथि और वक्ता थे।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जीवनशैली संबंधी विकारों के प्रबंधन में दयारा और स्थानीय और वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतीयों का समाधान करने के लिए बहु-केंद्रित सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रमों का निर्माण समय की मांग है। फिजियोलॉजी एम्स भूवनेश्वर विभाग द्वारा आयोजित एम्स-फिजियोमेट कार्यशाला में फिजियोलॉजी शिक्षा और अनुसंधान में उभरते मुद्दे, फिजियोलॉजी में उभरते मुद्दे, फिजियोलॉजी को लेकर विभाग के प्रयोग के लिए राजदूत नंबर, एचओडी, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स भूवनेश्वर उपस्थिति थे।

कार्यशाला में फिजियोलॉजी शिक्षा और अनुसंधान में उभरते मुद्दे, फिजियोलॉजी में उभरते मुद्दे, फिजियोलॉजी को लेकर विभाग के प्रयोग के लिए राजदूत नंबर, एचओडी, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स भूवनेश्वर उपस्थिति थे।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जीवनशैली संबंधी विकारों के प्रबंधन में दयारा और स्थानीय और वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतीयों का समाधान करने के लिए बहु-केंद्रित सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रमों का निर्माण समय की मांग है। फिजियोलॉजी एम्स भूवनेश्वर विभाग द्वारा आयोजित एम्स-फिजियोमेट कार्यशाला में फिजियोलॉजी शिक्षा और अनुसंधान में उभरते मुद्दे, फिजियोलॉजी में उभरते मुद्दे, फिजियोलॉजी को लेकर विभाग के प्रयोग के लिए राजदूत नंबर, एचओडी, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स भूवनेश्वर उपस्थिति थे।

कार्यशाला में फिजियोलॉजी शिक्षा और अनुसंधान में उभरते मुद्दे, फिजियोलॉजी को लेकर विभाग के प्रयोग के लिए राजदूत नंबर, एचओडी, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स भूवनेश्वर उपस्थिति थे।

आजाद सिपाही संवाददाता

+3 और पीजी छात्रों को नुआ-ओ स्कॉलरशिप

छात्रवृत्ति हर साल मिलेगी। छात्रवृत्ति 20 से 25 तरीख के बीच छात्र के खाते में जमा कर दी जायेगी। आयोजित का भूगतान करने वाले सरकारी कंपनीरियों और जातीयों को यह छात्रों के फिलेगा छात्रवृत्ति।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जाजुर में मंगलवार का नुआ-ओ कार्यक्रम में 5टी अध्यक्ष वी के पांडियन ने बड़ी धोणा की कि +3 और पीजी छात्रों के फिलेगा छात्रवृत्ति। मुख्यमंत्री के फैसले की जानकारी

को दी। कांपेंजे के लिए 300 करोड़ को लेकर का कार्पेस फंड रखा गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जाजुर में मंगलवार का नुआ-ओ कार्यक्रम में 5टी अध्यक्ष वी के पांडियन ने बड़ी धोणा की कि +3 और पीजी छात्रों के फिलेगा छात्रवृत्ति। मुख्यमंत्री के फैसले की जानकारी

को दी। कांपेंजे के लिए 300 करोड़ को लेकर का कार्पेस फंड रखा गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जाजुर में मंगलवार का नुआ-ओ कार्यक्रम में 5टी अध्यक्ष वी के पांडियन ने बड़ी धोणा की कि +3 और पीजी छात्रों के फिलेगा छात्रवृत्ति। मुख्यमंत्री के फैसले की जानकारी

को दी। कांपेंजे के लिए 300 करोड़ को लेकर का कार्पेस फंड रखा गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जाजुर में मंगलवार का नुआ-ओ कार्यक्रम में 5टी अध्यक्ष वी के पांडियन ने बड़ी धोणा की कि +3 और पीजी छात्रों के फिलेगा छात्रवृत्ति। मुख्यमंत्री के फैसले की जानकारी

को दी। कांपेंजे के लिए 300 करोड़ को लेकर का कार्पेस फंड रखा गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जाजुर में मंगलवार का नुआ-ओ कार्यक्रम में 5टी अध्यक्ष वी के पांडियन ने बड़ी धोणा की कि +3 और पीजी छात्रों के फिलेगा छात्रवृत्ति। मुख्यमंत्री के फैसले की जानकारी

को दी। कांपेंजे के लिए 300 करोड़ को लेकर का कार्पेस फंड रखा गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जाजुर में मंगलवार का नुआ-ओ कार्यक्रम में 5टी अध्यक्ष वी के पांडियन ने बड़ी धोणा की कि +3 और पीजी छात्रों के फिलेगा छात्रवृत्ति। मुख्यमंत्री के फैसले की जानकारी

को दी। कांपेंजे के लिए 300 करोड़ को लेकर का कार्पेस फंड रखा गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जाजुर में मंगलवार का नुआ-ओ कार्यक्रम में 5टी अध्यक्ष वी के पांडियन ने बड़ी धोणा की कि +3 और पीजी छात्रों के फिलेगा छात्रवृत्ति। मुख्यमंत्री के फैसले की जानकारी

को दी। कांपेंजे के लिए 300 करोड़ को लेकर का कार्पेस फंड रखा गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जाजुर में मंगलवार का नुआ-ओ कार्यक्रम में 5टी अध्यक्ष वी के पांडियन ने बड़ी धोणा की कि +3 और पीजी छात्रों के फिलेगा छात्रवृत्ति। मुख्यमंत्री के फैसले की जानकारी

को दी। कांपेंजे के लिए 300 करोड़ को लेकर का कार्पेस फंड रखा गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जाजुर में मंगलवार का नुआ-ओ कार्यक्रम में 5टी अध्यक्ष वी के पांडियन ने बड़ी धोणा की कि +3 और पीजी छात्रों के फिलेगा छात्रवृत्ति। मुख्यमंत्री के फैसले की जानकारी

को दी। कांपेंजे के लिए 300 करोड़ को लेकर का कार्पेस फंड रखा गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। जाजुर में मंगलवार का नुआ-ओ कार्यक्रम में 5टी अध्यक्ष वी के पांडियन ने बड़ी धोणा की कि +3 और पीजी छात्रों के फिलेगा छात्रवृत्ति। मुख्यमंत्री के फैसले की जानकारी

को दी। कांपेंजे के लिए 300 करोड़ को लेकर का कार्पेस फंड रखा गया है।